Dr. Shyam
Associate Professor
Deptt. of Pol. Sc
Raja Singh College, Siwan
Mob. 9430217315 Email. shyamshankarp2407@gmail.com

BA Hons. Part-I

सामाजिक परिवर्तन के कारक (Factors of Social change)

परिवर्तन प्रकृति का नियम है। परिवर्तन अर्थ किसी वस्तु अथवा व्यवस्था में बदलाव है। जब समाज के रीति-रिवाजों, परम्पराओं और व्यवहार में पहले की तुलना में बदलाव आता है तो उसे सामाजिक परिवर्तन की संज्ञा दी जाती है। सामाजिक परिवर्तन एक जटिल प्रक्रिया है। इसके अनेक कारक होते हैं।

1. भौतिक कारक (Physical factors) पृथ्वी की बनावट उसका धरातल, समुद्र तल से ऊँचाई, पहाड़, नदियाँ, झरने, जंगल, मौसम आदि मानव जीवन को प्रभावित करते हैं। इससे समाज की उन्नति, अवनति, आचार, व्यवहार आदि सब प्रभावित होते हैं। हंटिंगटन के अनुसार जलवायु में होनेवाले परिवर्तन हमारे स्वास्थ्य, मानसिक, शारीरिक क्षमता और कुशलता के साथ ही उनसे पैदा होनेवाली सभ्यता और संस्कृति सबको प्रभावित एवं परिवर्तित करते हैं।

2. जैविक कारक (Biological factors) वंशानुक्रम से आनेवाली पीढ़ीयों के स्वास्थ्य आदि निर्धारित होता है। जैविक कारक से विवाह का रूप तथा जनसंख्या वृद्धि की दर भी प्रभावित होती है। इस तरह जैविक जगत में होनेवाले परिवर्तन से सामाजिक परिवर्तन को जन्म देते हैं। डार्विन की पुस्तक Origin of Species में योग्यतम प्राणी के जीवित रहने तथा निर्बलों की समाप्ति अथवा जीवित रहने के लिए संघर्ष Struggle for existence की बात कही गई है। यह जैविक परिवर्तन तथा उससे जुड़े सामाजिक परिवर्तन पर प्रकाश डालता है।

3. जनसंख्यात्मक कारक (Demographic factors) जनसंख्या के घटने और बढ़ने से भी समाज में अनेक परिवर्तन होते हैं।

Scanned with CamScanner

जैसे जिस देश में जनसंख्या वृद्धि दर अधिक होगी वहाँ जनसंख्या को नियंत्रित करने हेतु परिवार नियोजन जैसे कार्यक्रम तथा उससे जुड़े कई रीति रिवाज विकसित हो जाते हैं। जो समाज में परिवर्तन के लिए जिम्मेदार है।

4. प्रौद्योगिकीय कारक (Technological Factors) आज का युग प्रौद्योगिकी का युग है। दफ्तर में काम करने के लिए कंप्यूटर, आवागमन के लिए बस, रेल, हवाई जहाज, अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने के लिए टेलीफोन मोबाईल, सोसल साईट्स, इलाज एवं युद्ध के सभी क्षेत्रों में तकनीकी का विकास हुआ है। इस विकास ने अनेक परिवर्तनों को जन्म दिया है।

5. आर्थिक कारक (Economical Factors) आर्थिक विकास का असर समाज पर पड़ता है। मार्क्स ने तो आर्थिक कारक को सामाजिक परिवर्तन का केंद्रीय कारक माना है। उनके अनुसार आर्थिक ढाँचे में परिवर्तन से पूरे समाज में परिवर्तन हो जाता है। आज भी हम समाज में देखते हैं कि हमारी प्रत्येक क्रिया को आर्थिक तत्व प्रभावित करते हैं।

6. सांस्कृतिक कारक (Cultural Factors) - संस्कृति समाज की ही उपज है। सामाजिक परिवर्तन में संस्कृति की भूमिका महत्वपूर्ण है। आगबर्न ने सांस्कृतिक परिवर्तन और इससे होनेवाले सामाजिक परिवर्तन को समझने के लिए सांस्कृतिक विलम्बना का सिद्धांत दिया है। भारतीय संस्कृति परम्परा प्रधान है। इसलिए इसमें तुलनात्मक रूप से कम परिवर्तन होते हैं।

7. राजनीतिक कारक (Political Factors) - राजनीतिक क्रियाओं के कारण भी समाज में परिवर्तन होता है, जैसे बिहार से झारखण्ड, मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ आदि विभाजन तथा असम एवं पंजाब में अलगाववादी आन्दोलन आदि से भी समाज में कई परिवर्तन होने को मिले हैं।

8. मनोवैज्ञानिक कारक Psychological Factors - अमेरिका तथा कई अन्य देश के समाजों में सारी सुख सुविधाओं के होते हुए भी युवा मानसिक नैराश्य का शिकार हो जाते हैं। लोगों की मानसिक अवस्था से भी सामाजिक परिवर्तन होते हैं।

9. संघर्ष (Conflict) - सहयोग से समाज में एकरूपता, मतैक्यता आदि आता है तो संघर्ष से दमन और हिंसा में वृद्धि होती है।

Scanned with CamScanner